एक नजर में

भाजपा किसान मोर्चा ने धामनगांव में किया किसान सम्मान समारोह

किसान कल्याण वर्ष के तहत विधायक अर्चना चिटनीस की मौजूदगी में हुआ भव्य आयोजन

बुरहानपुर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा द्वारा मध्य प्रदेश सरकार के घोषित किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत किसान सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी क्रम में बुरहानपुर जिले के ग्राम धामनगांव में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक अर्चना चिटनिस के आतिथ्य में किसान सम्मान समारोह आयोजित किया गया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, पदाधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए। किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री मनोज लधवे ने बताया कि किसान सेवा सप्ताह के अंतर्गत पूरे मध्य प्रदेश में किसानों को केंद्र में रखकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।इनमें मंडियों में शीतल जल व्यवस्थाए प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों का सम्मान, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर तथा किसानों के साथ सामूहिक रूप से मन की बात कार्यक्रम का श्रवण शामिल है। धामनगांव में आयोजित किसान सम्मान समारोह में किसानों के योगदान को रेखांकित करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया।इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज माने, मोर्चा जिला अध्यक्ष अरुण पाटिल, उपसंचालक कृषि मनोहर सिंह देवके, भाजपा नेता राजेश चौहान सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान भाई एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व प्राचार्य निम्भोरे का निधन, किया अंतिम संस्कार

बुरहानपुर। कॉग्रेस नेता स्व. काशीनाथ निम्भोरे की धर्म पत्नि नवीन एवं कार्तीक निम्भोरे की माता जी पूर्व प्राचार्य श्रीमती शारदा काशीनाथ निम्भोरे का दिनांक 23 मार्च रात 10.20 दुखद निधन हो गया। इनकी अंतिम यात्रा दिनांक 24 मार्च 26 को इनके निज निवास न्यू इंदिरा कॉलोनी बुरहानपुर से निकाली जाकर अंतिम संस्कार किया गया। इस अवसर पर भारी संख्या में समाजजन,समाजसेवीयों ने शामील होकर शोक संवेदना व्यक्त की।

समस्या भारी है आज बुरहानपुर के शिक्षकों की बारी है : दीक्षित

बुरहानपुर। अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा जिला बुरहानपुर के नेतृत्व में शिक्षक पात्रता परीक्षा निर्णय के विरोध में आज सामूहिक रूप से ज्ञापन सोपा गया। उपरोक्त जानकारी देते हुए कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रांतीय संयोजक नेशनल मूवमेंट ऑफ ओल्ड पेंशनस्कीम भोपाल एवं संयुक्त मोर्चा के प्रांतीय उपाध्यक्ष ठाकुर संतोष सिंह दीक्षित के नेतृत्व में जिला कलेक्टर कार्यालय में मा.राष्ट्रपति जी,मा.प्रधानमंत्री ,मानव संसाधन मंत्री एवं मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन को सैकड़ो की संख्या में उपस्थित होकर शिक्षिका, शिक्षकों ने ज्ञापन तहसीलदार प्रविण आवास्या को सोपा गया। इस अवसर पर संयुक्त मोर्चा के घटक दल मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के संजय राऊतए अमर पाटील राज्य कर्मचारी संघ के ठाकुर अरविंद सिंह उमेश रुपेरी ,,मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के धर्मेंद्र चौकसे ,मध्य प्रदेश अजेक्स संघ के राजेश साल्वे ,सतीश दामोदर, मध्य प्रदेश अपोक्सं संघ के राजकुमार मंडलोई ,अखिल भारतीय उर्दू शिक्षक संघ के डॉ अशफाक खान ,सैयद शहजाद अली, आजाद शिक्षक संघ से संतोष निंभोर, नेशनल मूवमेंट से श्रीमती प्रमिला सगरे ,अनिल बाविस्कर, विजयश राठौर, विनोद राठौड़ सभी संगठनों ने संयुक्त मोर्चा के नेतृत्व में शिक्षक पात्रता परीक्षा अधिनियम 2009 को रद्द करने की मांग की अथवा पुनर्विचार करने की मांग की गई । सभा को संबोधित करते हुए संजय राऊत ,अशफाक खान, श्रीमती प्रमिला सगरे ,श्रीमती प्रीति अग्रवाल, धर्मेंद्र चौकसे, ठाकुर संतोष सिंह दीक्षित सभी ने एक स्वर से कहा कि लोक शिक्षण सं चनालय भोपाल के शिक्षक पात्रता परीक्षा संबंधी आदेश क्रमांक 356 दिनांक 2 मार्च 2026 को निरस्त करने एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली के कक्षा 1 से 8 तक अध्यापन करें कार्य करने वाले शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता संबंधी आदेश पर पुनर्विचार याचिका दायर किया जाए । जब शिक्षा अधिनियम 2009 आया है तो फिर 1995 1998 से लेकर 2008 तक के शिक्षकों को परीक्षा देना की आवश्यकता क्यों ,वर्तमान में प्रदेश के अलावा पूरे राष्ट्र में सभी शिक्षक साक्षात्कार के माध्यम से ही नौकरी पर लगे हैं जिन लोगों ने परीक्षा पास कर ली है उनसे दोबारा परीक्षा लेने का क्या औचित्य।

धूलकोट में डॉक्टर-एंबुलेंस नहीं : 25 गांवों के 50 हजार ग्रामीण परेशान, कलेक्टर से नियुक्ति की मांग

बुरहानपुर। धूलकोट क्षेत्र के ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली बताते हुए धूलकोट प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एमबीबीएस डॉक्टर और एंबुलेंस की तत्काल नियुक्ति की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि धूलकोट तहसील टप्पा होने के बावजूद यहां के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में न तो एमबीबीएस डॉक्टर है और न ही एंबुलेंस की सुविधा।इस केंद्र पर 25 गांवों के 50 हजार से अधिक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं के लिए निर्भर हैं। डॉक्टर की अनुपस्थिति के कारण मरीजों को बुरहानपुर जिला अस्पताल रेफर किया जाता है, जो धूलकोट से 35 किलोमीटर दूर है। एंबुलेंस की आवश्यकता पड़ने पर उसे नेपानगर या बुरहानपुर से बुलाया जाता हैए जिससे समय पर मदद नहीं मिल पाती। धूलकोट क्षेत्र के पिपराणाए बोरी बुजुर्ग, चिखल्या, सराय, उतांबी, दवाटिया, अंबा, गंभीरपुरा,सुक्ता खुर्द, धौंड, हरदा सहित कई अन्य गांवों के लोगों को आए दिन इन समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त,अंबा उपस्वास्थ्य केंद्र में पिछले 15 से 18 महीनों से किसी नर्स की नियुक्ति नहीं हुई है। इस कारण गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल पा रहे हैं। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने कलेक्टर से इन सभी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का शीघ्र निराकरण करने की मांग की।इस दौरान पवन कुमार बर्डे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

26 लाख के भ्रष्टाचार में कर रहे लीपापोती, सामान बदलकर दबा रहे भ्रष्टाचार : रघुवंशी

सीएमएचओ राजेंद्र वर्मा ने जिला अस्पताल के आईसीयू के लिए खरीदे थे घटिया उपकरण

नवभारत न्यूज, बुरहानपुर। जिला अस्पताल में 26 लाख का भ्रष्टाचार दिसंबर 2025 में खुलने के बाद अब तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इस मामले की शिकायत करने के बाद भी अफसर मामले को रफा-दफा करने में जुटा है। यही कारण है कि पिछले दो दिन से अस्पताल के क्रिटिकल केयर यूनिट में आई घटिया सामग्री को बदलने का काम चल रहा है।

जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश महासचिव अजय रघुवंशी ने ये आरोप लगाया। उन्होंने जिला अस्पताल के पास बने क्रिटिकल केयर यूनिट के उपकरण खरीदी के लिए मिली राशि में सीएमएचओ डॉ.राजेंद्र वर्मा ने वित्तीय अनियमित्ताएं का आरोप लगाया। कहा कि बाजार में जिन उपकरण की किमतें कम है उन्हें अधिक भाव में खरीदकर बिल जारी कर दिया गया। जब 23 दिसंबर 2025 को ये मामला मीडिया के माध्यम से सामने आने के बाद भी अब तक इस पर कार्रवाई न होना समझ से परे हैं। यहां भोपाल तक के स्वास्थ्य अधिकारी इसमें मिलीभगत कर मामले को निपटाने में लगे हैं।

रघुवंशी ने बताया कि सूत्र से मिली जानकारी के अनुसार घटिया सामग्री के लिए आए जांच दल ने इस पर अभिमत भी दिया है। जांच दल में उपसंचालक एवं जांचकर्ता अधिकारी इंदौर संभाग डॉ. सोनिया शिल्पा लालए देवेंद्र देवाश्री लेखाधिकारी इंदौर संभाग, वासदेव नाथानी लेखापाल सवास्थ्य सेवा इंदौर संभागए शोभाराम चौहान स्टेनोग्राफर स्वास्थ्य सेवा इंदौर संभागए दिलीप पटेल फार्मासिस्ट ग्रे.2 मुख्य स्पताल अधीक्षक धार ने जांच की।

जांच रिपोर्ट में साक्ष्य कथनों एवं अभिलेखों से स्पष्ट होता है कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा क्रय की गई सामग्री में मप्र भंडार क्रय नियमों के बिंदु क्रमांक 10 एवं अन्य बिंदुओं का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित नहीं किया गया न ही निविदा की शर्तें तैयार कर क्रय समिति से अनुमोदन लिया गयाए न ही सामग्री के आंवंटित बजट के स्पेशीफिकेशन का निर्धारण किया गया और न ही जेम पोर्टल पर अपलोड किया गया। न ही तकनीकी निविदा की प्रोसेडिंग एवं दस्तावेज उपलब्ध कराए गए हैं। सामग्री की गुणवत्ता के अनुरूप प्राप्त किए जाने के पूर्व सभी पहुलओं पर प्रक्रिया अनुसार परीक्षण किया जाना थाए किंतु सप्लाय सामग्री डब्बाबंद एवं पैकिंग में होने के कारण खोलकर अथावा क्रय आदेश अनुरूप स्पेशीफिकेशन अनुसार क्वालिटी का परीक्षण स्टोरकीपर एवं सीएमएचओ द्वारा नहीं किया गया। अतरू प्रथम दृष्टया सत्यापनकर्ता अधिकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉण् राजेंद्र वर्मा एवं स्टोरकीपर कलीराम पालवी की परिलक्षित होना पाया गया तथा दोनों संस्थाओं में आपसी समन्वय एवं सामंजस्य न होने की स्थिति में यह स्थिति निर्मित हुई।

सूत्र से मिली जानकारी के अनुसार इस मामले में उपसंचालक संचालनालय लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मप्र ने क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं इंदौर संभाग को पत्र लिखा है। यह पत्र 12 मार्च 2026 को जारी किया। इसमें सीएमएचओ डॉ.राजेंद्र वर्मा के विरुद्ध की गई शिकायत का ब्योरा मांगा गया है। जिसमें मुख्य रूप से कितनी राशि की सामग्री आई। कितनी राशि का अपव्यय हुआ। शासन को कितनी राशि का नुकसान हुआ। डॉ. राजेंद्र वर्मा का शासकीय सेवा से सेवा निवृत्त दिनांक क्या है। इस संबंध में जानकारी अपने स्पष्ट अभिमत सहित तत्काल उपब्ध कराने के आदेश दिए।

जांच रिपोर्ट में भ्रष्टाचार उजागर होने के बावजूद क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवा डॉ.शाजी जोसफ द्वारा वापस जांच टीम बुरहानपुर जिला अस्पताल में भेजी गई है, जो इस मामले को दबाने का प्रयास कर रही है। यहां पर सामान बदलने का काम चल रहा है। ऐसे में पूरा मामला रफा दफा होने की संभावना है। डॉ.राजेंद्र वर्मा सीएमएचओ बुरहानपुर पर कार्यवाही नहीं हुई और तत्काल नहीं हटाया गया तो कांग्रेस उग्र आंदोलन करेंगी। श्री रघुवंशी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव जी के सुशासन पर भी प्रश्न चिन्ह लगया आपने कहा कि बस आपकी बातों में ही ईमानदारी झलकती हैएबाकी तो के काम तो आपके स्थानीय विधायक, सांसद की भ्रष्टाचार पर चुप्पी आपकी ईमानदारी और सुशासन की पोल खोल रही है।

सांसद पाटील ने हिंदी को न्यायिक कार्रवाई की भाषा बनाने का सशक्त मुद्दा

गरीब, किसान-सामान्य वर्ग के लोगों को न्याय प्रक्रिया को समझने में होती हैं कठिनाई

नवभारत न्यूज, बुरहानपुर। लोकसभा में मंगलवार को नियम 377 के अंतर्गत खंडवा लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने देश की न्यायिक व्यवस्था से जुड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जनहितकारी विषय मजबूती के साथ उठाया। उन्होंने उच्च न्यायालयों में हिंदी भाषा के प्रभावी उपयोग की मांग करते हुए इसे आमजन के न्याय अधिकार से सीधे जुड़ा मुद्दा बताया।

भाषा की यह बाधा न्याय को आमजन से दूर कर देती है:-सांसद पाटील ने कहा कि वर्तमान में मध्यप्रदेश सहित देश के अधिकांश उच्च न्यायालयों एवं जिला न्यायालयों में कार्यवाही अंग्रेज़ी भाषा में संचालित होती है, जिससे विशेष रूप से ग्रामीण, गरीब,किसान एवं सामान्य वर्ग के नागरिकों को न्याय प्रक्रिया को समझने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि भाषा की यह बाधा न्याय को आमजन से दूर कर देती है और नागरिकों को अनावश्यक रूप से दूसरों पर निर्भर बनाती है। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 348;2 तथा राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 7 का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालयों में हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषाओं के उपयोग का प्रावधान पहले से मौजूद है, आवश्यकता केवल इसके प्रभावी और व्यापक क्रियान्वयन की है।

उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सहित सभी हिंदी भाषी राज्यों के उच्च न्यायालयों में हिंदी को कार्यवाही एवं आदेशों की अनिवार्य भाषा के रूप में लागू किया जाए।इससे न केवल आम नागरिकों को न्याय सुलभ होगा, बल्कि न्याय व्यवस्था में पारदर्शिता, विश्वास एवं भागीदारी भी मजबूत होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूल मंत्र को आगे बढ़ाते हुए इस जनभावना से जुड़े विषय पर सकारात्मक एवं ठोस निर्णय लेगी, जिससे देश के करोड़ों नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा।

जघन्य अपराधों के संबंध में समीक्षा बैठक

नवभारत न्यूज, बुरहानपुर। मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय सभाकक्ष में कलेक्टर हर्ष सिंह एवं पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पाटीदार की उपस्थिति में जिला अंतर्गत चिन्हित जघन्य एवं गंभीर अपराधों की समीक्षा बैठक आयोजित रही।

बैठक में 38 प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर सिंह ने बैठक में विभिन्न प्रकरणों में चर्चा करते हुए जानकारी ली एवं आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने अवैध कॉलोनियों से संबंधित मामलों को समय.सीमा के भीतर पेशी कराकर शीघ्र निपटाने पर जोर दिया।

कलेक्टर सिंह ने फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रकरणों में समय पर साक्ष्य प्रस्तुत करने की बात कही। उन्होंने प्रकरणों के तहत होने वाली पेशियों में गवाहों की संख्या बढ़ानेए शराब जप्तीए आर्म्स एक्ट एवं पॉक्सो एक्ट के प्रकरणों में त्वरित कार्रवाई के संबंध में आवश्यक दिशा.निर्देश दिये।

पुलिस ने 5 आरोपियों पर दर्ज किया है केस,मकान-दुकान तोड़ने की मांग

बुरहानपुर। आलमगंज मालीवाड़ा में 17 मार्च को निकिता सुरागे की हत्या के मामले में परिजन एक बार फिर कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने आरोपी अर्जुन सुगंधी का मकान और दुकान तोड़ने की मांग की। पुलिस ने इस मामले में दो नाबालिगों सहित पांच पर केस दर्ज की है।

मृतका निकिता की बहन स्नेहा सुरागे ने बताया कि हत्या को आठ दिन हो गए हैं,लेकिन अब तक आरोपी का मकान.दुकान नहीं तोड़ा गया है। आलमगंज के अधिवक्ता राजेश बिडियारे ने भी समाजजनों के साथ मिलकर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई और संपत्ति तोड़ने की मांग की। उन्होंने बताया कि पहले भी आवेदन दिया गया थाए अब यह एक स्मरण पत्र है।नेपानगर के तहसीलदार जगन्नाथ वास्कले ने ज्ञापन स्वीकार करते हुए कहा कि वे वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा करेंगे। आगे जैसे भी निर्देश मिलेंगेए उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी। यह घटना 17 मार्च को हुई थी जब 23 वर्षीय निकिता सुरागे, जो मालीवाड़ा में एक फर्नीचर मार्ट में फर्नीचर डिजाइनिंग का काम करती थी, को आरोपी अर्जुन सुगंधी और उसके परिजनों ने घर बुलाया था। वहां उसके साथ मारपीट की गई और अर्जुन ने चाकू मारकर निकिता की हत्या कर दी।पुलिस ने इस मामले में अर्जुन और उसके भाई सागर सुगंधी पर हत्या का केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया कि घटना के समय अजय सुगंधी की पत्नी मनीषा सुगंधीए उसकी बेटी और अर्जुन का बेटा भी मौजूद थे।इन तीनों ने भी निकिता के साथ मारपीट की थी।आरोपियों ने साक्ष्य मिटाने के लिए सीसीटीवी कैमरे के डीवीआर भी निकाल लिए थे।पुलिस ने बाद में इन तीनों पर हत्या, सामूहिक अपराध, साक्ष्य छिपाने का प्रयास, मारपीट और एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया।मनीषा सुगंधी को खंडवा जेल और दोनों नाबालिगों को बाल सुधार गृह भेजा गया है।

जिला किसान कांग्रेस ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

बुरहानपुर। जिला किसान कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर एसडीएम अजमेर सिंह गौड़ को कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन सौंपा।इसमें किसानों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया गया। प्रमुख मांगों में जिला सहकारी समिति की वसूली की तारीख 31 अप्रैल तक बढ़ाना शामिल है।

किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश महाजन बुनगाल ने बताया कि वर्तमान में गेहूं की फसल तैयार है, लेकिन न्यूनतम समर्थन मूल्य ,एमएसपी पर खरीदी की तारीख 1 अप्रैल से निर्धारित है। इससे किसान जिला सहकारी बैंक में अपना पैसा जमा करने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं।इसलिए जिला सहकारी समिति में खाता पलटने की अंतिम तारीख 31 अप्रैल करने की मांग की गई है।ज्ञापन में बिजली कंपनी द्वारा किसानों के लाइट कनेक्शन काटने पर तत्काल रोक लगाने की भी मांग की गई।नेताओं ने कहा कि किसान अग्रिम बिल का भुगतान करते हैं और गर्मी के मौसम में उनके कनेक्शन काटना उचित नहीं है।उन्होंने किसानों को बिजली बिल में राहत देने की अपील की। इसके अतिरिक्त पिछले दिनों आंधी.तूफान से जिन किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा थाए उन्हें अब तक मुआवजा नहीं मिला है। किसान कांग्रेस ने तत्काल किसानों के खातों में मुआवजा राशि जमा करने की मांग की। कांग्रेस नेता अजय रघुवंशी ने कहा कि किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है, इसलिए वसूली को आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

आंगनवाड़ी केंद्रों पर विद्यारंभ प्रमाण-पत्र वितरण और ग्रेजुएशन समारोह

नवभारत न्यूज, बुरहानपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग, बुरहानपुर के जिला कार्यक्रम अधिकारी भारती अवास्या के मार्गदर्शन में आज जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर विद्यारंभ प्रमाण.पत्र वितरण एवं ग्रेजुएशन समारोह का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत जिले भर के 5 से 6 वर्ष आयु वर्ग के कुल 10ए918 बच्चों को ग्रेजुएशन सेरेमनी के रूप में विद्यारंभ प्रमाण.पत्र प्रदान किए गए। इसी क्रम में बुरहानपुर शहरी.01 परियोजना अंतर्गत नेहरू नगर सेक्टर के शिकारपुरा आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक.3 में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुईए जिसके पश्चात बच्चों को प्रमाण.पत्र वितरित किए गए।

कार्यक्रम में उपस्थित पार्षद श्रीमती पद्मा वारुडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्थानीय समुदाय बच्चों के विकास में विभाग को पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा। वहीं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती भारती अवास्या ने आंगनवाड़ी केंद्रों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आंगनवाड़ी केवल पोषण का केंद्र नहीं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास की मजबूत नींव है। पूर्व निगम चेयरमेन किशोर कुमार राठौर ने अभिभावकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्रों से जोड़ें और इसे अपना केंद्र समझें। बाल चौपाल अंतर्गत ग्रेजुएशन सेरेमनी प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम अंतर्गत मास्टर कृष्णम शैलेंद्र राठौर दादु को एवम बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा ग्रेजुएशन प्रमाणपत्र एवम् पुष्प गुच्छ दिया गया। परियोजना अधिकारी रामप्रवेश तिवारी ने भी बच्चों एवं अभिभावकों को विद्यारंभ कार्यक्रम की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम संचालन सुपरवाइजर श्रीमती उषा महाजन ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद श्रीमती पद्मा वारुडे,पूर्व निगम चेयरमेन किशोर कुमार राठौर,जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती भारती अवास्या, परियोजना अधिकारी रामप्रवेश तिवारी, सुपरवाइजर श्रीमती उषा महाजन, जितेंद्र कोचले ,रॉकेट लर्निंग, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे।

एक नजर माँ वाघेश्वरी ग्रामोदय मेले में आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों की भव्य प्रस्तुति...

भगवान शंकर के रौद्र और दिव्य स्वरूप की प्रभावशाली प्रस्तुति को जनसमुदाय ने खूब सराहा

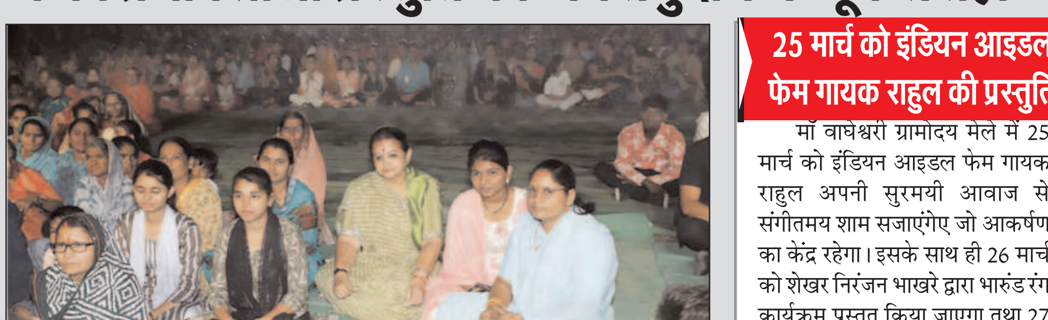

नवभारत न्यूज, बुरहानपुर। माँ वाघेश्वरी ग्रामोदय मेले के अंतर्गत आयोजित भव्य सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक संध्या में इस वर्ष आस्था, संस्कृति और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। मेले में जहां एक ओर ग्रामीण विकास, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों की रौनक रही, वहीं दूसरी ओर मंच पर प्रस्तुत धार्मिक झांकियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री अर्चना चिटनिस ने भक्तों के बीच बैठकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक वाद्ययंत्रों.ढोलकी,ताशा और हारमोनियम.की मधुर धुनों के साथ हुई, जिसने वातावरण में ऊर्जा और उत्साह भर दिया।इसके बाद मंच पर प्रस्तुत विविध कार्यक्रमों ने दर्शकों को देर रात तक बांधे रखा।

सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ भगवान महाकाल के भव्य तांडव नृत्य से हुआ। कलाकार ने शिव के रौद्र और दिव्य स्वरूप को प्रभावशाली अंदाज में प्रस्तुत किया। दमदार संगीत, प्रकाश प्रभाव और हर.हर महादेव के जयघोष से पूरा परिसर शिवमय हो गया।इसके पश्चात ज्ञान और विद्या की देवी माँ सरस्वती की मनोहारी वंदना प्रस्तुत की गई। श्वेत परिधान,मधुर संगीत और शांत भाव.भंगिमाओं के साथ कलाकारों ने एक दिव्य वातावरण निर्मित किया,जिसने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में शक्ति,साहस और भक्ति के प्रतीक बजरंग बली की झांकी भी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। हनुमान जी के पराक्रम और रामभक्ति को दर्शाती प्रस्तुति ने दर्शकों में जोश और उत्साह भर दिया। जय श्रीराम और जय बजरंग बली के जयघोष से पूरा मेला परिसर गूंज उठा। सांस्कृतिक संध्या का मुख्य आकर्षण भगवान भगवान शिव और माता माता पार्वती के दिव्य विवाह की भव्य नृत्य.नाटिका रही। शिव बारात, पारंपरिक वेशभूषा, मंत्रोच्चार और सजीव अभिनय ने इस प्रस्तुति को अत्यंत जीवंत बना दिया। दर्शकों ने इस अलौकिक दृश्य को श्रद्धा और उत्साह के साथ सराहा।

इस अवसर पर अर्चना चिटनिस ने कहा कि माँ वाघेश्वरी ग्रामोदय मेला ग्रामीण प्रतिभाओं और देश की समृद्ध सांस्कृतिक एवं धार्मिक धरोहर को एक मंच प्रदान करता है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। कार्यक्रम के दौरान दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी रही।महिलाओंए बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। हर प्रस्तुति के बाद गूंजती तालियां और जयघोष कार्यक्रम की सफलता का प्रमाण बने। मेले में लगी विभिन्न दुकानोंए झूलोंए ग्रामीण हस्तशिल्प और पारंपरिक खान.पान की भी आकर्षक रौनक देखने को मिली। स्थानीय उत्पादों और लघु उद्योगों को इस मेले के माध्यम से प्रोत्साहन मिला तथा दूर.दूर से आए लोगों ने इसका भरपूर आनंद उठाया।

25 मार्च को इंडियन आइडल फेम गायक राहुल की प्रस्तुति

माँ वाघेश्वरी ग्रामोदय मेले में 25 मार्च को इंडियन आइडल फेम गायक राहुल अपनी सुरमयी आवाज से संगीतमय शाम सजाएंगेए जो आकर्षण का केंद्र रहेगा। इसके साथ ही 26 मार्च को शेखर निरंजन भाखरे द्वारा भारुंड रंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा तथा 27 मार्च को अरुण मनी लख्खा की सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ मेले का भव्य समापन होगा। माँ वाघेश्वरी ग्रामोदय मेला इस प्रकार आस्थाए संस्कृतिए आध्यात्मिकता और ग्रामीण विकास का सशक्त संगम बनकर निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है।